लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 24 June 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि ने दूसरी बार टाइम्स रैंकिंग में बनाई जगह

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्रतिष्ठित टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया रैंकिंग 2023 में जगह बनाई है। लविवि को लगातार दूसरी बार प्रभावशाली 401-500 बैंड में स्थान मिला है, जो शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान नवाचार और अकादमिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने वाले वातावरण को बढ़ावा देने वाले संस्थान के तौर पर उसकी पुष्टि करता है।

टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया रैंकिंग में इस वर्ष कुल 78 भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों को जगह प्राप्त हुई, जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय भी शामिल है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि लविवि ने उच्च शिक्षा के शीर्ष संस्थानों में अपनी स्थिति मजबूत की है। उन्होंने विवि के सभी शिक्षकों व कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं।

इंजीनियरिंग संकाय को आईईआई की सदस्यता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया ने संस्थानिक सदस्यता प्रदान की है। इससे अब इंजीनियरिंग संकाय के शिक्षक व विद्यार्थी तकनीकी संवर्ग के विश्व स्तरीय शोध जर्नल निशुल्क पढ़ सकेंगे। साथ ही इसके जर्नल्स में अपने शोध प्रकाशित कर सकेंगे। इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स संस्थानिक सदस्यों को शोध, तकनीकी सेमिनार, वर्कशॉप के लिए ग्रांट प्रदान करता है। इसके सदस्य देशभर में बने इनके गेस्ट हाउस, शैक्षिक गतिविधियों के दौरान उपयोग कर सकते हैं। सदस्यता मिलने पर विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने संकाय सदस्यों देने के साथ ही स्नातक स्तर से छात्रों को शोध कराने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रो. एके सिंह ने संकाय में पांच स्टूडेंट चैप्टर एवं छात्रों को इंस्टीट्यूशनल मेंबरशिप देने का शुभारंभ भी किया। (संवाद)

लविवि विकसित करेगा अपना शोध पोर्टल

संवाद न्यूज एजेंसी

विवि का नया पीएचडी अध्यादेश तैयार, नए सत्र से होगा लागू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय पीएचडी की थीसिस के मूल्यांकन के लिए अपना शोध पोर्टल विकसित करेगा। यह पोर्टल पीएचडी थीसिस जमा करने से लेकर मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा तक की पूरी प्रक्रिया को छह माह की अवधि में पूरा करने में सक्षम होगा, जिससे शोधार्थियों को काफी हद तक मदद मिलेगी और वह आसानी से अपना शोध कार्य पूरा कर पाएंगे।

अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लखनऊ विश्वविद्यालय ने नई शिक्षा नीति के तहत अपने पीएचडी अध्यादेश में बदलाव किया है। यह संशोधित नवीन अध्यादेश सत्र 2023-24 से लागू होगा। डीन अकादमिक प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय तकनीक और समय के साथ अपने आप को बदल रहा है, जिससे विद्यार्थी आधुनिक शैक्षणिक परिवेश में शिक्षा प्राप्त कर पाए। उन्होंने कहा कि लविवि नई शिक्षा नीति के तहत पेपर लेस प्रणाली की ओर कदम आगे बढ़ा रहा है। नया पीएचडी अध्यादेश न केवल शोध छात्रों के समय और ऊर्जा को बचाएगा बल्कि मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता को भी बढ़ाएगा।

उन्होंने बताया कि नवीन अध्यादेश में प्रावधान किया गया है कि पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन करने के लिए भारत के एक परीक्षक और अनुसंधान पर्यवेक्षक एक विदेशी परीक्षक को शामिल जाना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पीएचडी छात्रों द्वारा किया गया शोध वैश्विक मानकों अनुरूप है। गुणवत्ता के लिहाज से विश्वविद्यालय में हुए शोध को विश्व पटल पर भी उपलब्ध कराया जाएगा।

पांच विषयों के परीक्षा परिणाम घोषित

लखनऊ। लविवि ने शुक्रवार को विषम सेमेस्टर के पांच विषयों के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए। विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in रिजल्ट देख सकते हैं। परीक्षा परिणाम एमएससी सांख्यिकी, बीसीए, बीए (ऑनर्स) इकोनॉमिक्स, एमएससी एप्लाइड जियोलॉजी व एमएससी कंप्यूटर साइंस के घोषित हुए हैं। (संवाद)

परीक्षा से एक दिन पहले पहुंचेंगी कॉपियां

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय सम सेमेस्टर परीक्षाओं में पांचों जिलों लखीमपुर, रायबरेली, सीतापुर, लखनऊ व हरदोई के परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा से एक दिन पहले कॉपियां पहुंचाएगा। लविवि में 27 जून से सम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि जिन विद्यार्थियों लिखित परीक्षा होगी उनकी कॉपियां परीक्षा केंद्र पर पहले भेज दी जाएंगी। जिन केंद्रों पर एमसीक्यू पैटर्न पर परीक्षा होगी वहां प्रश्नपत्र के साथ बुकलेट भेजी जाएगी। (संवाद)

NBT PAGE 4

पेपरलेस पीएचडी की तैयारी

बचेंगे थीसिस जमा करने में खर्च होने वाले ₹25 से 30 हजार

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

एलयू में पेपर लेस और टाइम बाउंड पीएचडी की तैयारी शुरू हो गई है। एलयू के फैसले से शोधार्थियों को काफी सुविधा होगी। पेपर लेस पीएचडी होने से थीसिस जमा करने पर खर्च होने वाले रुपये बचेंगे। इसके साथ ही टाइम बाउंड होने से थीसिस जमा करने से लेकर मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा तक की प्रक्रिया 6 महीने में पूरा होने से भागदौड़ से निजात मिलेगी।

एलयू की डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि शोध छात्रों की सुविधा के लिए बदलाव किया जा रहा है। थीसिस जमा करने में कई प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। विभाग से एनओसी लेने के बाद लाइब्रेरी से लेनी होती है। इसके साथ ही थीसिस की 6 से 7 कॉपी जमा करनी होती थी। एक कॉपी तैयार करने में चार से पांच हजार रुपये खर्च होते हैं। ऐसे में 7 थीसिस की कॉपी जमा करने में करीब 30 हजार खर्च हो जाते हैं। पेपर लेस थीसिस होने से यह रकम बचेगी।

पोर्टल पर मिलेगी अनुमति

इसके लिए एक रिसर्च पोर्टल तैयार करवाया जा रहा है। थीसिस जमा करने के लिए इसी पोर्टल पर अनुमति मिलेगी। सभी प्रकार की एनओसी भी इसी के जरिए ली जा सकेंगी। ऐसे में शोधार्थी को भागदौड़ से निजात मिलेगी। थीसिस की शॉफ्ट कॉपी भी पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। इसके बाद पोर्टल के माध्यम से गाइड, को-गाइड व अन्य संबंधित लोगों को थीसिस की कॉपी भेजी जाएगी।

> पीएचडी ऑर्डिनेंस में कई बदलाव किए गए हैं। पेपर लेस और टाइम बाउंड पीएचडी उसी का हिस्सा है। रिसर्च पोर्टल से शोधार्थियों को काफी राहत मिलेगी। प्रौद्योगिकी का लाभ उठाते हुए अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञता को शामिल करके, हमारा लक्ष्य एक अग्रणी अनुसंधान संस्थान के रूप में अपनी स्थिति को और भी मजबूत करना है।
> प्रो.आलोक कुमार राय, एलयू वीसी

6 माह की समय सीमा

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर थीसिस जमा करने से लेकर मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा तक की पूरी प्रक्रिया को अधिकतम छह माह में पूरा करना होगा। एलयू प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार रिसर्च पोर्टल मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता को भी बढ़ाएगा। संशोधित पीएचडी ऑर्डिनेंस में थीसिस का मूल्यांकन करने के लिए देश के एक परीक्षक और अनुसंधान पर्यवेक्षक के अलावा कम से कम एक विदेशी परीक्षक को शामिल करने की बात कही गई है।

मानकों का होगा पालन

विदेशी परीक्षक होने के कारण शोध उत्कृष्टता के वैश्विक मानकों का पालन होगा। थीसिस मूल्यांकन के लिए परीक्षकों के पास ऑनलाइन ही भेजी जाएगी। मूल्यांकन से लेकर पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। डीएसडब्ल्यू ने बताया कि विदेशी परीक्षक को ऑनलाइन थीसिस भेजने से समय और पैसे दोनों की बचत होगी। पोर्टल से शोधार्थी को प्रक्रिया की जानकारी होती रहेगी।

NBT नज़रिया एलयू प्रशासन का फैसला सराहनीय है। इससे स्कॉलर्स को सहूलियत होगी और वे अपनी रिसर्च पर और फोकस कर सकेंगे। खर्च कम होने से कमजोर आर्थिक वर्ग के विद्यार्थी भी शोध के लिए प्रोत्साहित होंगे। बस जरूरत इस बात की है कि इन बदलावों को सही से लागू किया जाए और नए सिस्टम की समय-समय पर मॉनिटरिंग की जाए।

LU: छुट्टियों का लेखाजोखा होगा ऑनलाइन

■ एनबीटी सं., लखनऊः एलयू में छुट्टियों का ब्योरा जल्द ही ऑनलाइन होगा। इसके लिए विवि प्रशासन पोर्टल तैयार करवा रहा है। इसके माध्यम से छुट्टियों के लिए आवेदन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन हो जाएगी। एलयू में 350 से अधिक स्थायी शिक्षक और करीब 1500 कर्मचारी हैं। वर्तमान में छुट्टी लेने के लिए सबको लिखित आवेदन करना होता है। ऐसे में छुट्टियों का हिसाब रखने में भी दिक्कत होती है। इसे देखते हुए पोर्टल तैयार कवाया जा रहा है। सारी व्यवस्था ऑनलाइन होने से ब्योरा रखने में भी सुविधा होगी।

LU इस बार परीक्षा केंद्रों पर पहले ही भेज देगा कॉपियां

■ एनबीटी सं, लखनऊः एलयू इस बार परीक्षा केंद्रों पर कॉपियां पहले ही भेजेगा। एलयू व संबद्ध कॉलेजों में 27 जून से स्नातक छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं होना प्रस्तावित हैं। सम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए लखनऊ, लखीमपुर खीरी, हरदोई, रायबरेली और सीतापुर में 23 नोडल सेंटर व 171 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। पिछली बार केंद्रों पर कॉपियां देर से पहुंचने के बाद एलयू ने इस बार सतर्कता बरतते हुए यह फैसला लिया है।

27 जून से शुरू होंगी स्नातक छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं

बीए, बीसीए व एमएससी के परिणाम जारी : एलयू ने स्नातक विषम सेमेस्टर दिसंबर 2022 के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए गए हैं। बीए ऑनर्स इकोनॉमिक्स के पांचवें और बीसीए के तीसरे सेमेस्टर का रिजल्ट घोषित किए गए हैं। वहीं एमएससी स्टेटिस्टिक्स, एप्लाइड जियॉलजी व कम्प्यूटर साइंस के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाओं के भी नतीजे वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं।

रैंकिंग में एलयू की स्थिति में हुआ सुधार

■ एनबीटी सं, लखनऊ

टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया रैंकिंग-2023 में एलयू की स्थिति में सुधार हुआ है। एलयू को 401-500 बैंड में रखा गया है। इस रैंकिंग में इस साल 78 भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों को जगह मिली है। उनमें से एक एलयू है।

टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया रैंकिंग में 401-500 बैंड में रखा गया

एलयू वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने बताया कि 2022 में एलयू का टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया रैंकिंग में ओवर ऑल स्कोर 20.9-24.8 था। 2023 में 23.0-27.2 है। वहीं उद्योग आय में भी एलयू ने बेहतर स्कोर किया है। 2022 में स्कोर 35.5 था जो 2023 में 37.4 हो चुका है। अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण में एलयू को 2022 में 16.9 स्कोर मिला था। 2023 में यह स्कोर बढ़कर 18.1 हो गया है। पिछले वर्ष में नए शिक्षकों की नियुक्ति से शिक्षण प्रदर्शन में बेहतर हुआ है। 2022 में 35.9 स्कोर था। 2023 में स्कोर 36.2 हो गया है। वहीं रिसर्च में एलयू की स्थिति 2022 और 2023 में बराबर ही रही है। 2022 और 2023 में यह समान 12.8 स्कोर पर रही। एलयू वीसी का कहना है कि यह उपलब्धि विवि के शिक्षकों, कर्मचारियों और स्टूडेंट्स की कड़ी मेहनत से मिली है। आने वाले वर्षों में, नई प्रतिभाशाली फैकल्टी, इनक्यूबेशन सेंटर और एमओयू के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय स्टूडेंट्स की संख्या बढ़ेगी। इससे स्कार में और सुधार होगा।

अभियांत्रिकी संकाय को इंस्टिट्यूशनल मेंबरशिप

■ एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय को इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजिनियर्स इंडिया की इंस्टिट्यूशनल मेंबरशिप प्रदान मिली है। एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजिनियर्स की सदस्यता मिलने से अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के स्टूडेंट्स, शिक्षक, तकनीकी संवर्ग के सदस्यों को काफी फायदा होगा। वह विश्व स्तरीय शोध जर्नल को निःशुल्क पढ़ सकेंगे। साथ ही इसके जर्नल्स में अपने शोध प्रकाशित कर सकेंगे। इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजिनियर सदस्यों को शोध, तकनीकी सेमिनार, वर्कशॉप व अन्य शैक्षिक गतिविधियों के लिए ग्रांट प्रदान करता है।

HINDUSTAN PAGE 6

संशोधित पीएचडी अध्यादेश के तहत ऑनलाइन रिसर्च पोर्टल किया जाएगा तैयार

एलयू: पीएचडी थीसिस जमा करने से लेकर मौखिक परीक्षा तक ऑनलाइन

तैयारी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी थीसिस से संबंधित सभी कार्यों को ऑनलाइन रिसर्च पोर्टल के जरिए करने की तैयारी है। पोर्टल पर पीएचडी थीसिस सबमिट करने से लेकर मूल्यांकन व मौखिक परीक्षा तक का काम आसानी से होगा।

एलयू में संशोधित पीएचडी अध्यादेश के तहत रिसर्च पोर्टल बनाया जाएगा। इस पर पीएचडी से जुडे सभी कार्य होंगे। पोर्टल पर ही शोधार्थियों को अपनी थीसिस अपलोड करनी होगी। जिसका संशोधित पीएचडी अध्यादेश के मुताबिक एक विदेशी परीक्षक व एक अन्य कॉलेज या यूनिवर्सिटी के शिक्षक द्वारा मूल्यांकन होगा। इसी पोर्टल पर ही शोधार्थी अपनी थीसिस का अपडेट भी देख सकेंगे।

अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विश्वविद्यालय अब पेपर लेस और टाइम बाउंड पीएचडी कराने की तैयारी में है। एलयू के इस फैसले से शोधार्थियों को फायदा होगा। पेपर लेस पीएचडी होने से थीसिस जमा करने में खर्च होने वाले रुपये बचेंगे। प्रो. पूनम टंडन के मुताबिक शोधार्थी को पीएचडी की शॉफ्ट कॉपी रिसर्च पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। इसी पोर्टल से गाइड, कोगाइड व अन्य संबंधित लोगों को थीसिस की कॉपी भेजी जाएगी। जिससे शोधार्थियों को बार-बार विश्वविद्यालय में भटकना नहीं पडेगा।

ऑनलाइन रिसर्च पोर्टल पर थीसिस जमा करने से लेकर मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा तक की पूरी प्रक्रिया को अधिकतम 6 महीने के भीतर पूरा करना होगा। अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. पूनम टंडन का कहना है कि संशोधित पीएचडी अध्यादेश में थीसिस का मूल्यांकन करने के लिए भारत के एक परीक्षक और एक विदेशी परीक्षक को रखना भी शामिल है। जानकारी के अनुसार मूल्यांकन के लिए परीक्षकों के पास थीसिस ऑनलाइन ही भेजी जाएगी।

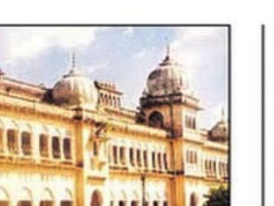

- पोर्टल पर ही सभी शोधार्थी थीसिस को अपलोड करेंगे
- विश्वविद्यालय में शोधार्थियों को भटकना नहीं पड़ेगा
- मूल्यांकन, मौखिक परीक्षा छह माह में पूरी करनी होगी

परीक्षा 27 से, फॉर्म जमा करने को छात्र परेशान

एलयू में कॉलेजों के छात्र परीक्षा फॉर्म जमा करने को लेकर भटकते रहे। करीब तीन-चार घंटे तक 30 से अधिक छात्र परीक्षा नियंत्रक कार्यालय के बाहर भीड़ लगाए थे। कार्यालय में बैठे कर्मचारियों से भी अपनी समस्या बताई लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका। एलयू में शुक्रवार को स्नातक छठे सेमेस्टर के छात्र परीक्षा फॉर्म जमा करने पहुंचे। ज्यादातर छात्र सम्बद्ध कॉलेजों के थे। यह छात्र परीक्षा फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख बीत जाने के बाद परीक्षा फॉर्म जमा करने की प्रार्थना लेकर गए थे। इनके परीक्षा फॉर्म पर कॉलेज के प्राचार्य की मुहर व साइन भी थी। छात्रों का कहना है कि कॉलेज के प्राचार्य द्वारा परीक्षा फॉर्म पर साइन करके विश्वविद्यालय में जमा करने को कहा गया था। वह परीक्षा नियंत्रक कार्यालय गए। छात्रों के मुताबिक परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में बताया कि परीक्षा फॉर्म कॉलेज द्वारा भेजे जाते हैं। एलयू प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि एलयू में काउंटर नहीं है जहां छात्र फॉर्म जमा कर सकें। परीक्षा फॉर्म वेरीफाई करने की जिम्मेदारी कॉलेज की है।

बीए, बीसीए और एमएससी के परिणाम जारी

लखनऊ। एलयू ने स्नातक विषम सेमेस्टर दिसंबर 2022 के तहत परिणाम जारी किए हैं। इसमें बीए ऑनर्स इकोनॉमिक्स के पांचवे और बीसीए के तीसरे सेमेस्टर का रिजल्ट घोषित किया गया है। वहीं एमएससी स्टेटिस्टिक्स, एप्लाइड जियोलॉजी व कम्प्यूटर साइंस के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाओं के भी नतीजे वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। वहीं एलयू में बीए ऑनर्स पॉलिटिकल साइंस पाठ्यक्रम के छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं 28 जून से शुरू होंगी।

इंजीनियरिंग के छात्र पढ़ेंगे जर्नल

लखनऊ। एलयू के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया की इंस्टिट्यूशनल सदस्यता मिली गई है। इससे छात्रों व शिक्षकों कोरिसर्च व जर्नल पढ़ने के लिए शुल्क नहीं देना होगा। जर्नल्स में अपने शोध भी प्रकाशित कर सकेंगे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स शोध, सेमिनार और वर्कशॉप के लिए ग्रांट देता है।

JAGRAN CITY PAGE III

राज्य विश्वविद्यालय में सिर्फ लवि को मिली जगह

टाइम्स एशिया रैंकिंग

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया रैंकिंग-2023 में दूसरी बार 401-500 बैंड में जगह बनाए रखी है। सूची में शामिल 78 भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों में लवि भी शामिल है। लवि प्रदेश का अकेला राज्य विश्वविद्यालय है जिसने इसमें जगह बनाई है। तीन साल की अपेक्षा इस वर्ष साइटेशन, इंडस्ट्री इनकम, इंटरनेशनल आउटलुक व शोध आदि के स्कोर में काफी सुधार हुआ है।

डीन एकेडमिक प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया रैंकिंग में केवल 200 रैंक तक ही मिलती है। उसके ऊपर रैंक बैंड में शामिल किया जाता है। 2022 के रैंकिंग की तुलना में लवि ने इस बार रैंकिंग में सभी मापदंडों में सुधार किया है। संकाय द्वारा किए गए शोध के उद्धरणों (साइटेशन) में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। लवि की उद्योग और शिक्षा के बीच संबंधों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता, उद्योग आय में बेहतर प्रदर्शन के माध्यम से वृद्धि दर्ज की गई। अंतरराष्ट्रीय छात्र-छात्राओं के लिए एक आकर्षक संस्थान के रूप में लवि की स्वीकार्यता अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण में बेहतर प्रदर्शन से भी स्पष्ट है।

> यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। उच्च शिक्षा के दुनिया के शीर्ष संस्थानों में अपनी स्थिति मजबूत की है। आने वाले वर्षों में, नई प्रतिभाशाली फैकल्टी, इन्क्यूबेशन सेंटर, उद्योगों के साथ एमओयू, अंतरराष्ट्रीय छात्रों की अधिक आमद निश्चित रूप से लवि को वैश्विक रैंकिंग में ऊपर उठाएगी।
> प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लवि

i-NEXT PAGE 3

टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया रैंकिंग-2023 हुई जारी

लखनऊ यूनिवर्सिटी का जलवा

लगातार दूसरी बार 401-500 रैंक बैंड में शामिल

LUCKNOW (23 June): लखनऊ विश्वविद्यालय ने टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया रैंकिंग-2023 में दूसरी बार 401-500 बैंड में जगह बनाए रखी है। सूची में शामिल 78 भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों में एलयू भी शामिल है। खास बात यह है कि लवि उत्तर प्रदेश का अकेला राज्य विश्वविद्यालय है जिसने इसमें जगह बनाई है। तीन साल की अपेक्षा इस वर्ष साइटेशन, इंडस्ट्री इनकम, ईंटरनेशनल आउटलुक व शोध आदि के स्कोर में काफी सुधार हुआ है।

इस तरह समझें

वर्ष-स्कोर	2023	2022	2021
ओवरआल	23.0-27.2	20.9-24.8	12.9-21.6
साइटेशन	20.7	14.0	12.2
इंडस्ट्री आय	37.4	35.5	33.4
अंतरराष्ट्रीय आउटलुक	18.1	16.9	16.6
रिसर्च	12.8	12.8	11.9
टीचिंग	36.2	35.9	26.0

> यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है. उच्च शिक्षा के दुनिया के शीर्ष संस्थानों में अपनी स्थिति मजबूत की है. आने वाले वर्षों में नई प्रतिभाशाली फैकल्टी, इन्क्यूबेशन सेंटर, उद्योगों के साथ एमओयू, अंतरराष्ट्रीय छात्रों की अधिक आमद निश्चित रूप से लवि को वैश्विक रैंकिंग में ऊपर उठाएगी.
> प्रो. आलोक कुमार राय, वीसी, एलयू

सभी मापदंडों में सुधार

डीन एकेडमिक प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया रैंकिंग में केवल 200 रैंक तक ही मिलती है. उसके ऊपर रैंक बैंड में शामिल किया जाता है. 2022 के रैंकिंग की तुलना में एलयू ने इस बार रैंकिंग में अपने सभी मापदंडों में सुधार किया है. संकाय द्वारा किए गए शोध के उद्धरणों (साइटेशन) में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है.

किया बेहतर प्रदर्शन

लखनऊ विश्वविद्यालय की उद्योग और शिक्षा के बीच संबंधों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता, उद्योग आय में बेहतर प्रदर्शन के माध्यम से वृद्धि दर्ज की गई. अंतरराष्ट्रीय छात्र-छात्राओं के लिए एक आकर्षक संस्थान के रूप में एलयू की स्वीकार्यता अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण में बेहतर प्रदर्शन से भी स्पष्ट है. पिछले वर्ष में नए शिक्षकों की नियुक्ति से शिक्षण प्रदर्शन में बेहतर स्कोर प्राप्त हुआ है.

नए पीएचडी ऑर्डिनेंस में बदलाव

एलयू में पीएचडी थीसिस मूल्यांकन में एक विदेशी परीक्षक भी होगा शामिल

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (23 June): लखनऊ यूनिवर्सिटी में पीएचडी थीसिस मूल्यांकन के लिए एक विदेशी परीक्षक को शामिल किया जाएगा. विदेशी परीक्षक के होने से शोध के वैश्विक मानकों का पालन किया जाएगा, साथ ही एलयू में हो रहे शोधों को विश्व स्तर पर उपलब्ध कराया जा सकेगा. न्यू पीएचडी ऑर्डिनेंस में एलयू इस मूल्यांकन बदलाव को शामिल कर रहा है. डीन अकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि न्यू पीएचडी ऑर्डिनेंस की विशेषता होगी कि पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन देश के एक परीक्षक और अनुसंधान पर्यवेक्षक के अलावा कम से कम एक विदेशी परीक्षक को शामिल करना है. इससे शोध छात्रों के शोधों में गुणवत्ता आ सकेगी.

रिसर्च पोर्टल से थीसिस मूल्यांकन में आएगी तेजी

प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि थीसिस मूल्यांकन प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए विवि अनुसंधान पोर्टल या रिसर्च पोर्टल डेवलेप करेगा. यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर थीसिस जमा करने से लेकर मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा तक की पूरी प्रक्रिया को अधिकतम छह महीने के अंदर पूरा करने का काम करेगा. इससे न केवल शोध छात्रों का समय बचेगा बल्कि मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी. पहले शोधार्थी अपनी थीसिस की कई प्रतियां जमा करते थे, जिसके लिए डाक से परीक्षकों को थीसिस भेजी जाती थीं. मूल्यांकन रिपोर्ट डाक से ही भेजी जाती थी, इससे प्रक्रिया काफी लंबी हो जाती थी. नए अध्यादेश से पूरी प्रक्रिया दुरुस्त हो जाएगी.

> एलयू अपने छात्रों के लिए एक विश्वस्तरीय अनुसंधान वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है. यह नया पीएचडी अध्यादेश न केवल वैश्विक अनुसंधान मानकों को बनाए रखेगा साथ ही मूल्यांकन प्रक्रिया को भी और प्रभावशील बनाएगा.
> प्रो. पूनम टंडन, डीन अकेडमिक्स

> एलयू राष्ट्रीय शैक्षिक नीति के अनुरूप एक नया पीएचडी अध्यादेश लागू करने की तैयारी कर रहा है, जिसका उद्देश्य अनुसंधान, उत्कृष्टता को बढ़ावा देना और वैश्विक मानकों को पूरा करना है.
> प्रो. आलोक कुमार राय, वीसी, एलयू

इंजीनियरिंग संकाय को मिली सदस्यता

एलयू के इंजीनियरिंग संकाय को इंस्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स इंडिया की इंस्टीट्यूशनल सदस्यता प्रदान की गई है. इस सुविधा से संकाय के सदस्य स्टूडेंट्स, शिक्षक तकनीकी संवर्ग के सदस्य इंजीनियरिंग के विश्व स्तरीय शोध जर्नल को फ्री पढ़ सकेंगे. साथ ही इसके जर्नल्स में अपने शोध भी प्रकाशित कर सकेंगे. सदस्यता मिलने पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने संकाय सदस्यों को बधाई दी. इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रोफेसर एके सिंह ने संकाय में पांच स्टूडेंट चैप्टर एवं छात्रों को इंस्टीट्यूशनल सदस्यता का सदस्य बनाने का शुभारंभ किया.

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : छह महीने में होगा थीसिस मूल्यांकन

- अब विदेशी परीक्षक भी जांचेंगे पीएचडी थीसिस
- नए अध्यादेश में होगा शामिल, बनेगा पोर्टल

जासं, लखनऊ : अब पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन करने के लिए भारत के एक परीक्षक, अनुसंधान पर्यवेक्षक के साथ-साथ एक विदेशी परीक्षक को भी शामिल करना अनिवार्य होगा। लखनऊ विश्वविद्यालय नए पीएचडी अध्यादेश में इसे लागू करेगा। थीसिस मूल्यांकन में तेजी लाने के लिए, एक अनुसंधान पोर्टल भी तैयार किया जाएगा। इस आनलाइन प्लेटफार्म पर थीसिस जमा करने से लेकर मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा तक की पूरी प्रक्रिया को अधिकतम छह महीने की अवधि के अंदर पूरा किया जाएगा, ताकि समय से पीएचडी अवार्ड किया जा सके।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने पीएचडी अध्यादेश में कई नई व्यवस्थाएं शामिल की हैं। लवि भी राष्ट्रीय शैक्षिक नीति के अनुरूप नया पीएचडी अध्यादेश लागू करने की तैयारी कर रहा है, जिसका उद्देश्य अनुसंधान, उत्कृष्टता को बढ़ावा देना और वैश्विक मानकों को पूरा करना है। नए अध्यादेश में पीएचडी जमा करने और मूल्यांकन प्रक्रिया में बदलाव लाने की तैयारी है। डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि अभी तक सिर्फ देश के अंदर के ही शिक्षक थीसिस का मूल्यांकन कर सकते थे। अब विदेश का भी एक परीक्षक इसमें शामिल किया जाएगा। इससे विश्वविद्यालय में हुए शोध विश्व पटल पर भी पहुंच सकेगा। नया शोध अध्यादेश मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता को भी बढ़ाएगा।

अभी तक थी ये प्रक्रिया

अभी तक छात्र-छात्राओं को अपनी थीसिस की कई प्रतियां जमा करने की आवश्यकता होती थी, जो पारंपरिक डाक सेवाओं के माध्यम से परीक्षकों को भेजी जाती थीं। मूल्यांकन रिपोर्ट भी इसी माध्यम से ही भेजी जाती है, जो कि लंबी प्रक्रिया है। इसमें एक वर्ष तक का समय लग जाता था। अब आनलाइन शोध पोर्टल पर थीसिस मूल्यांकन में समय की बचत होगी।

> तकनीक का लाभ उठाकर और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ को शामिल करके हमारा लक्ष्य एक अग्रणी अनुसंधान संस्थान के रूप में लवि की स्थिति को और मजबूत करना है। नया पीएचडी अध्यादेश विश्वविद्यालय को अत्याधुनिक अनुसंधान करने में सक्षम बनाएगा, जिससे ज्ञान और नवाचार के वैश्विक केंद्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा और बढ़ेगी।
> - प्रो. आलोक राय, कुलपति, लवि

मिली सदस्यता

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय को इंस्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स इंडिया की इंस्टीट्यूशनल सदस्यता प्रदान की गई है। इस सुविधा से संकाय के सदस्य छात्र-छात्राएं, शिक्षक तकनीकी संवर्ग के सदस्य इंजीनियरिंग के विश्व स्तरीय शोध जर्नल को नि:शुल्क पढ़ सकेंगे। साथ ही इसके जर्नल्स में अपने शोध भी प्रकाशित कर सकेंगे। इस दौरान संकायाध्यक्ष प्रो .एके सिंह ने संकाय में पांच स्टूडेंट चैप्टर एवं छात्रों को इंस्टीट्यूशनल सदस्यता का सदस्य बनाने का शुभारंभ किया। (जासं)

लवि : बीए आनर्स की परीक्षाएं 28 से

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीए आनर्स पालिटिकल साइंस (रेगुलर, एग्जेम्टेड, बैक पेपर, इम्प्रूवमेंट) छठे सेमेस्टर की परीक्षाओं की समय सारिणी जारी कर दी। ये परीक्षाएं 28 जून से शुरू होकर दो जुलाई तक संचालित होंगी। परीक्षा सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक होगी। छात्र-छात्राएं www.lkouniv.ac.in पर डेटशीट देख सकते हैं। (जासं)

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

पीएचडी थीसिस जमा करने को पोर्टल विकसित करेगा लविवि

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के शोध छात्र अपनी थीसिस जमा करने के लिए काफी परेशान रहा करते है, दरअसल कई बार सुपरवाइजर अड़ंगा डालते है, तो कई बार एक्सपर्ट के नाम पर विरोधी कुछ ना कुछ टांग अड़ा देते थे। यही नहीं कुल 3 सब्जेक्ट एक्सपर्ट में, जो दो बाहरी एक्सपर्ट होते थे, उन पर भी कई प्रकार के सेटिंग के आरोप लगते थे।

इसके अलावा अक्सर शोध छात्र पर सुपरवाइजर अधिकार समझ कर उसे अपने हिसाब से चलाते है, शायद इन्ही बातों को ध्यान में रखकर नया पीएचडी अध्यादेश तैयार कर रहा है, जो पीएचडी जमा करने और मूल्यांकन प्रक्रिया में क्रांतिकारी बदलाव लाने का प्रयास बताया जा रहा है। इस अध्यादेश की मुख्य विशेषता पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन करने के लिए भारत के एक परीक्षक और अनुसंधान पर्यवेक्षक के अलावा कम से कम एक विदेशी परीक्षक को शामिल करना है। हालांकि हिंदी और सोशियोलॉजी जैसे सब्जेक्ट का परीक्षण विदेशी कैसे करेगा, यह अभी बताना बाकी है।

नए पीएचडी अध्यादेश में मूल्यांकन प्रक्रिया में दिखेगा परिवर्तन

वहरहाल थीसिस मूल्यांकन प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए, विश्वविद्यालय एक समर्पित अनुसंधान पोर्टल विकसित करेगा। यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर थीसिस जमा करने से लेकर मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा तक की पूरी प्रक्रिया को अधिकतम छह महीने की अवधि के भीतर पूरा करने में सक्षम होगा। कागज रहित दृष्टिकोण अपनाकर, नया अध्यादेश न केवल शोध छात्रों के समय और ऊर्जा को बचाएगा और साथ ही मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता को भी बढ़ाएगा। मूल्यांकन रिपोर्ट भी इसी माध्यम से ही भेजी जाती है, जो की एक लंबी प्रक्रिया है, जिसमें एक वर्ष तक का समय लग सकता है।

नए अध्यादेश का कार्यान्वयन पूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करेगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय का कहना है कि अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञता को शामिल करके, हमारा लक्ष्य एक अग्रणी अनुसंधान संस्थान के रूप में अपनी स्थिति को और भी मजबूत करना है। नया पीएचडी अध्यादेश अनुसंधान में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

टाइम्स हॉयर एजुकेशन एशिया रैंक में तीसरी बार लविवि शामिल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय तीसरी बार टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया रैंकिंग 2023 में शामिल हुआ है। इस बार प्रभावशाली 401-500 बैंड में रखा गया है, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान नवाचार और विद्वतापूर्ण गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए दिया जाता है। कुल 78 भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों को इस वर्ष की रैंकिंग में जगह प्राप्त हुई, जिनमें से लखनऊ विश्वविद्यालय भी एक है।

2022 के टेंकिंग की तुलना में, लखनऊ विश्वविद्यालय ने टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया रैंकिंग 2023 में अपने सभी मापदंडों में सुधार किया है (कुल स्कोर चेंडः 2023 में 23.0-27.2 बनाम 2022 में 20.9-24.8) है। वहीं विश्वविद्यालय संकाय की ओर से किए गए शोध के उद्धरणों में कई प्रकार से वृद्धि हुई है (2023 में 20.7 बनाम 2022 में 14), जो लखनऊ विश्वविद्यालय में किए जा रहे शोध के लगातार अंतरराष्ट्रीय मानकों की ओर बढ़ते रहने का संकेत है। विश्वविद्यालय की उद्योग और शिक्षा के बीच संबंधों को बढ़ावा देने की ओर प्रतिबद्धता, उद्योग आय में बेहतर प्रदर्शन के माध्यम से स्पष्ट है जहां 2023 में 2022 के मुकाबले स्पष्ट वृद्धि दर्ज की गई (2023 में 37.4 बनाम 2022 में 35.5)। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा चाहने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए एक आकर्षक संस्थान के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय की स्वीकार्यता अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण में बेहतर प्रदर्शन (2023 में 18.1 बनाम 2022 में 16.9) से भी स्पष्ट थी। पिछले वर्ष में नए शिक्षकों की नियुक्ति से शिक्षण प्रदर्शन में बेहतर स्कोर (2023 में 36.2 बनाम 2022 में 35.9) प्राप्त हुआ है। बता दें कि टाइम्स हायर एजुकेशन रैंकिंग को व्यापक रूप से सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक विश्वविद्यालय रैंकिंग में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो शिक्षण, अनुसंधान, ज्ञान हस्तांतरण और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण सहित विभिन्न मानदंडों के आधार पर विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन करती है।

उपलब्धि

- नैक से ए डबल प्लस की ग्रेडिंग के बाद बड़ी उपलब्धि, 78 भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों को इस वर्ष की रैंकिंग में मिली जगह

> यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। ज्ञान की अपनी निरंतर खोज के माध्यम से उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है और उच्च शिक्षा के दुनिया के शीर्ष संस्थानों में अपनी स्थिति मजबूत की है। आगे की योजना वैश्विक रैंकिंग में अपनी बढ़त जारी रखने की है। आने वाले वर्षों में नई प्रतिभाशाली फैकल्टी, इनक्यूबेशन सेंटर, उद्योगों के साथ एमओयू के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की अधिक आमद निश्चित रूप से लखनऊ विश्वविद्यालय को वैश्विक रैंकिंग में ऊपर उठाएगी।
> -प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय

अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय को मिली मेंबरशिप

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया की इंस्टीट्यूशनल मेंबरशिप प्रदान की गई है। इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स की सदस्यता मिलने से अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के सदस्य छात्रों, शिक्षकों, तकनीकी संवर्ग के सदस्यों को इंजीनियरिंग के विश्व स्तरीय शोध जर्नल को नि:शुल्क पढ़ सकेंगे, साथ ही इसके जर्नल्स में अपने शोध प्रकाशित कर सकते हैं। इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर के सदस्यों को शोध, तकनीकी सेमिनार, वर्कशॉप आदि के लिए ग्रांट प्रदान करता है। इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर के सदस्य देश भर में बने इनके गेस्ट हाउस, शैक्षिक गतिविधियों के दौरान प्रयोग कर सकते हैं।

पीएचडी से जुड़े सभी कार्य होंगे ऑनलाइन

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचारः लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी थीसिस से संबंधित सभी कार्यों को ऑनलाइन रिसर्च पोर्टल के जरिए करने की तैयारी है। पोर्टल पर पीएचडी थीसिस सबमिट करने से लेकर मूल्यांकन व मौखिक परीक्षा तक का काम आसानी से हो सकेगा।

एलयू में संशोधित पीएचडी अध्यादेश के तहत रिसर्च पोर्टल बनाया जाएगा। इस पर पीएचडी से जुड़े सभी कार्य होंगे। पोर्टल पर ही शोधार्थियों को अपनी थीसिस अपलोड करनी होगी। जिसका संशोधित पीएचडी अध्यादेश के मुताबिक एक विदेशी परीक्षक व एक अन्य कॉलेज या यूनिवर्सिटी के शिक्षक द्वारा मूल्यांकन होगा। इसी पोर्टल पर ही शोधार्थी अपनी थीसिस का अपडेट भी देख सकेंगे।

पेपर लेस और टाइम

लखनऊ विश्वविद्यालय

- पोर्टल पर थीसिस सबमिट करने से लेकर मूल्यांकन व मौखिक परीक्षा में होगी आसानी
- संशोधित पीएचडी अध्यादेश के तहत रिसर्च पोर्टल बनाया जाएगा
- इस फैसले से शोधार्थियों को फायदा होगा

बाउंड पीएचडी कराने की तैयारी- अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विश्वविद्यालय अब पेपर लेस और टाइम बाउंड पीएचडी कराने की तैयारी में है। एलयू के इस फैसले से शोधार्थियों को फायदा होगा। पेपर लेस पीएचडी होने से थीसिस जमा करने में खर्च होने वाले रुपये बचेंगे। प्रो. पूनम टंडन के मुताबिक शोधार्थी को पीएचडी की शॉफ्ट कॉपी रिसर्च पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। इसी पोर्टल से गाइड, कोगाइड व अन्य संबंधित लोगों को थीसिस की कॉपी भेजी जाएगी। जिससे शोधार्थियों को बार-बार विश्वविद्यालय में भटकना नहीं पड़ेगा।

6 माह की अवधि में पूरे होंगे कार्य

ऑनलाइन रिसर्च पोर्टल पर थीसिस जमा करने से लेकर मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा तक की पूरी प्रक्रिया को अधिकतम 6 महीने के भीतर पूरा करना होगा। अधिष्ठाता अकादमिक प्रो . पूनम टंडन का कहना है कि संशोधित पीएचडी अध्यादेश में थीसिस का मूल्यांकन करने के लिए भारत के एक परीक्षक और एक विदेशी परीक्षक को रखना भी शामिल है। मूल्यांकन के लिए परीक्षकों के पास थीसिस ऑनलाइन ही भेजी जाएगी। मूल्यांकन भी ऑनलाइन ही किया जाएगा। इसकी रिपोर्ट भी ऑनलाइन भेजी जाएगी।

PIONEER PAGE 3

एलयू इंजीनियरिंग फैकल्टी को मिली इंस्टीट्यूशनल मेंबरशिप

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी आफ इंजीनियरिंग को इंस्टीट्यूशन ऑफइंजीनियर्स इंडिया की इंस्टीट्यूशनल मेंबरशिप प्रदान की गई है। इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स की सदस्यता मिलने से अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के सदस्य छात्रो, शिक्षकों, तकनीकी संवर्ग के सदस्यों को इंजीनियरिंग के विश्व स्तरीय शोध जर्नल को नि:शुल्क पढ़ सकेंगे। साथ ही इसके जर्नल्स में अपने शोध प्रकाशित कर सकते हैं। यह इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर के सदस्यों को शोध, तकनीकी सेमिनार, वर्कशॉप आदि के लिए ग्रांट प्रदान करता है। इंस्टिट्यूशन ऑफइंजीनियर के सदस्य देशभर में बने इनके गेस्ट हाउस, शैक्षिक गतिविधियों के दौरान प्रयोग कर सकते हैं। अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय को इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर की सदस्यता मिलने पर कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने संकाय सदस्यों को बधाई दी है।

टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया रैंकिंग में लविवि की बढ़ी रैंक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया रैंकिंग 2023 में सम्मानित स्थान हासिल हुआ है। विश्वविद्यालय को दूसरी बार प्रभावशाली 401.500 बैंड में रखा गया है, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान नवाचार और विद्वतापूर्ण गतिविधियों को प्रोत्साहित करने वाले वातावरण को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। कुल 78 भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों को इस वर्ष की रैंकिंग में जगह प्राप्त हुई, जिनमे से लखनऊ विश्वविद्यालय भी एक है। वर्ष 2022 के रैंकिंग की तुलना में लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने सभी मापदंडों में सुधार किया है। जारी आकड़ों के अनुसार कुल स्कोर बैंड 2023 में 23.0.27.2 हैं जबकि 2022 में 20.9.24.8 था। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। ज्ञान की अपनी निरंतर खोज के माध्यम से, उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

थीसिस मूल्यांकन को लेकर रिसर्च पोर्टल तैयार करेगा एलयू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय नए पीएचडी अध्यादेश में पीएचडी मूल्यांकन प्रक्रिया में आमूल परिवर्तन करने जा रहा है। जिससे अनुसंधान की उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के साथ ही वैश्विक मानकों को पूरा किया जा सके। इसके लिए विवि की तरफ से एक अनुसंधान पोर्टल तैयार किया जायेगा। पोर्टल पर उपलब्ध थीसिस का मूल्यांकन स्वदेशी शिक्षक के साथ एक विदेशी शिक्षक भी कर सकें। विवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक थीसिस मूल्यांकन प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए, विश्वविद्यालय एक समर्पित अनुसंधान पोर्टल विकसित करेगा। यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर थीसिस जमा करने से लेकर मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा तक की पूरी प्रक्रिया को अधिकतम छह महीने की अवधि के भीतर पूरा करने में सक्षम होगा। कागज रहित दृष्टिकोण अपनाकर, नया अध्यादेश न केवल शोध छात्रों के समय और ऊर्जा को बचाएगा और साथ ही मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता को भी बढ़ाएगा। पहले, छात्रों को अपनी थीसिस की कई प्रतियां जमा करने की आवश्यकता होती थी, जो पारंपरिक डाक सेवाओं के माध्यम से परीक्षकों को भेजी जाती थीं। मूल्यांकन रिपोर्ट भी इसी माध्यम से ही भेजी जाती है, जो की एक लंबी प्रक्रिया है। जिसमें एक वर्ष तक का समय लग सकता है। नए अध्यादेश का कार्यान्वयन पूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करेगा, जिससे अनावश्यक देरी और कागजी कार्रवाई समाप्त हो जाएगी।

THE PIONEER PAGE 2

LU preparing new PhD ordinance

Lucknow (PNS): In alignment with its commitment to research excellence, the University of Lucknow is currently preparing a new PhD ordinance that promises to revolutionise the submission and evaluation process. The key feature of this ordinance is the inclusion of at least one foreign examiner, in addition to another from India and the research supervisor, to evaluate the theses. This step is aimed at ensuring that the research conducted by PhD students adheres to global standards of excellence.

To expedite the thesis evaluation process, the university will develop a dedicated research portal. This innovative online platform will enable the entire process, from thesis submission to evaluation and viva-voce examination, to be completed within a maximum period of six months. By embracing a paperless approach, the new ordinance not only saves significant time and energy for PhD students but also enhances transparency in the evaluation process.

The students are currently required to submit multiple printed copies of their theses, which are sent to examiners through traditional mail services. The evaluation reports are also dispatched via mail, leading to a protracted process that can take up to a year. The implementation of the new ordinance will streamline the entire process, eliminating unnecessary delays and paperwork. Commenting on this transformative development, Dean of Academics Prof Poonam Tandon said, "The University of Lucknow is dedicated to providing a world-class research environment for students. The introduction of this new PhD ordinance will not only uphold global research standards but also enhance the efficiency and effectiveness of the evaluation process."

VoL PAGE 6

लविवि के नये पीएचडी अध्यादेश में मूल्यांकन प्रक्रिया में आमूल परिवर्तन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ।शोध उत्कृष्टता के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त संस्थान लखनऊ विश्वविद्यालय, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के अपने प्रक्रिया में निरंतर क्रियाशील है। विवि राष्ट्रीय शैक्षिक नीति के अनुरूप एक नया पीएचडी अध्यादेश लागू करने की तैयारी कर रहा है, जिसका उद्देश्य अनुसंधान, उत्कृष्टता को बढ़ावा देना और वैश्विक मानकों को पूरा करना है। उच्च शिक्षा संस्थानों की मान्यता और रैंकिंग में अनुसंधान की महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हुए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विवि में अनुसंधान गतिविधियों को सक्रिय रूप से सुदृढ़ किया है। इन पहलों में स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर शोध की शुरूआत के साथ-साथ छात्रों और संकाय सदस्यों के लिएविभिन्न अनुसंधान प्रोत्साहनयोजनाओं का कार्यान्वयन शामिल है। लविवि की असाधारण शोध उपलब्धियों ने प्रतिष्ठित नैक ए++ ग्रेड के साथ-साथ एनआईआरएफ, क्यूएस एशिया, टाइम्स हायर एजुकेशन, एडुरैंक और नेचर इंडेक्स रैंकिंग में प्रमुख रैंकिंग हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अनुसंधान उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, विवि वर्तमान में एक नया पीएचडी अध्यादेशतैयार कर रहा है जो पीएचडी जमा करने और मूल्यांकन प्रक्रिया में क्रांतिकारी बदलाव लाने काप्रयास है। इस अभूतपूर्व अध्यादेश की मुख्य विशेषता पीएचडी थीसिस कामूल्यांकनकरने के लिए भारत के एक परीक्षक और अनुसंधान पर्यवेक्षक के अलावा कम से कम एक विदेशी परीक्षक को शामिल करना है। यह कदम सुनिश्चित करता है कि पीएचडी छात्रों द्वारा किया गया शोध उत्कृष्टता के वैश्विक मानकों का पालन करता है और विश्वविद्यालय में हुए शोध को विश्व पटल पर भी उपलब्ध कराएगा। थीसिस मूल्यांकन प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए, विवि एक समर्पित अनुसंधान पोर्टल विकसित करेगा। यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर थीसिस जमा करने सेलेकर मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा तक की पूरी प्रक्रिया को अधिकतम छह महीने की अवधि के भीतर पूरा करने में सक्षम होगा।

एशिया रैंकिंग में लविवि की बढ़ी रैंक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया रैंकिंग 2023 में सम्मानितस्थान हासिल हुआ है। विविको दूसरी बार प्रभावशाली 401-500 बैंड में रखा गया है, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान नवाचार और विद्वतापूर्ण गतिविधियों को प्रोत्साहित करने वाले वातावरण को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। कुल 78 भारतीय उच्चशिक्षण संस्थानों को इस वर्ष की रैंकिंग में जगह प्राप्तहुई, जिनमे सेलविवि भी एक है। 2022 के रैंकिंग की तुलना में, लविवि ने अपने सभी मापदंडों में सुधार किया है। जारी आकड़ों के अनुसार कुल स्कोर बैंड: 2023 में 23.0-27.2 हैं जबकि 2022 में 20.9-24.8 था। विवि संकाय द्वारा किए गए शोध के उद्धरणों में वृद्धि हुई है (2023 में 20.7 बनाम 2022 में 14), जो लविवि में किए जा रहे शोध के लगातार अंतरराष्ट्रीय मानकों की ओर बढ़ते रहने का संकेत है।

LOKSATYA PAGE 2

लविवि को मिली इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया की इंस्टीट्यूशनल मेंबरशिप

लखनऊ। लविवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया की इंस्टीट्यूशनल मेंबरशिप दी गयी। इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स की सदस्यता मिलने से अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के सदस्य छात्रों, शिक्षकों, तकनीकी संवर्ग के सदस्यों को इंजीनियरिंग के विश्व स्तरीय शोध जर्नल को निःशुल्क पढ़ सकेंगे। साथ ही इसके जर्नल्स में अपने शोध प्रकाशित कर सकते हैं। इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर के सदस्यों को शोध, तकनीकी सेमिनार, वर्कशॉप आदि के लिए ग्रांट प्रदान करता है। इंस्टिट्यूशन ऑफइंजीनियर के सदस्य देशभर में बने इनके गेस्ट हाउस, शैक्षिक गतिविधियों के दौरान प्रयोग कर सकते हैं। अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय को इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर की सदस्यता मिलने पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा संकाय सदस्यों को बधाई दी गयी।

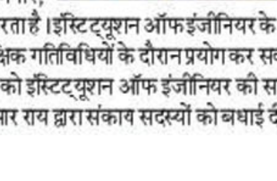

एलयू को मिली इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया की इंस्टीट्यूशनल मेंबरशिप

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया की इंस्टीट्यूशनल मेंबरशिप प्रदान की गई। इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स की सदस्यता मिलने से अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के सदस्य छात्रों, शिक्षकों, तकनीकी संवर्ग के सदस्यों को इंजीनियरिंग के विश्व स्तरीय शोध जर्नल को निशुल्क पढ़ सकेंगे, साथ ही इसके जर्नल्स में अपने शोध प्रकाशित कर सकते हैं। इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर के सदस्यों को शोध, तकनीकी सेमिनार, वर्कशॉप आदि के लिए ग्रांट प्रदान करता है। इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर के सदस्य देशभर में बने इनके गेस्ट हाउस, शैक्षिक गतिविधियों के दौरान प्रयोग कर सकते हैं। अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय को इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर की सदस्यता मिलने पर कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय द्वारा संकाय सदस्यों को बधाई दी। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रो ए. के. सिंह ने संकाय में पांच स्टूडेंट चैप्टर एवं छात्रों को इंस्टीट्यूशनल मेंबरशिप का सदस्य बनाने का शुभारंभ किया।

LUCKNOW NEWS PAGE 4

IMPROVES ITS LAST YEAR SCORE

University of Lucknow again finds a place in Top 500 Universities of Asia

OUR CORRESPONDENT

Lucknow: The University of Lucknow is proud to announce its remarkable achievement of securing a coveted position in the prestigious Times Higher Education Asia Rankings. The university has been placed in the impressive 401-500 band for a second time, affirming its commitment to academic excellence, research innovation and fostering an environment that encourages scholarly pursuits.

A total of 78 Indian higher education institutes made the cut. Compared to the 2022 rankings, University of Lucknow has improved on all its parameters in the Times Higher Education Asia Rankings 2023 (Overall score band: 23.0-27.2 in 2023 versus 20.9-24.8 in 2022).

Year/ Score	2023	2022	2021
Overall	23.0-27.2	20.9-24.8	12.9-21.6
Citations	20.7	14.0	12.2
Industry Income	37.4	35.5	33.4
International Outlook	18.1	16.9	16.6
Research	12.8	12.8	11.9
Teaching	36.2	35.9	26.0

There has been a significant increase in citations of research (20.7 in 2023 versus 14 in 2022) conducted by the university faculty which is indicative of the ever-increasing international standards of research being conducted at the University of Lucknow.

The University's commitment to nurturing industry academia linkage is evident through an improved performance in industry income (37.4 in 2023 versus 35.5 in 2022). The acceptance of the University of Lucknow as an in-demand destination for international students seeking quality education was also evident by better performance in international outlook (18.1 in 2023 versus 16.9 in 2022). The appointment of new faculty over the last year has also led to better score in teaching performance (36.2 in 2023 versus 35.9 in 2022).

The Times Higher Education Rankings are widely recognized as one of the most reputable global university rankings, assessing universities across various criteria including teaching, research, knowledge transfer, and international outlook. Prof. Alok Kumar Rai, Vice Chancellor, University of Lucknow, stated that, "This accomplishment is a testament to the hard work and dedication of the university's faculty, staff, and students. Through their relentless pursuit of knowledge, they have propelled the University of Lucknow to new heights and solidified its standing among the world's top institutions of higher learning." He said that this is just the beginning and the university plans to continue its rise in global rankings.

TOI PAGE 2

Foreign academics to evaluate thesis of LU research scholars

Times News Network

Lucknow: A PhD thesis submitted by a Lucknow University research scholar will now also be evaluated by an expert from a prestigious foreign academic institute, apart from two Indian examiners.

Also, it will be ensured that the evaluation of the thesis is done within six months of submission by a scholar and to expedite the same University will soon come up with a PhD portal.

LU's authorities revised its PhD ordinance and made it in line with National Education Policy (NEP) 2020, adopting all University Grants Commission PhD 2022 regulations on Friday.

"It is mandatory to include at least one foreign examiner, apart from an examiner and research supervisor from India, for evaluating PhD thesis. The move ensures that the research done by PhD students adheres to global standards of excellence and will bring laurels and recognitions for University's research work at the international level," said Prof Poonam Tandon, dean, academic and student welfare.

She said that to expedite the thesis evaluation process, the University will soon develop a dedicated research portal that will enable completion of the entire process from thesis submission to evaluation and viva-voce examination on the online platform within a maximum period of six months. By adopting a paperless approach, the new Ordinance will not only save the time and energy of the research students but also enhance transparency in the evaluation process, she added.

Earlier LU research scholars were required to submit multiple copies of their thesis, which were sent to examiners via traditional postal services and it consumed a lot of time. The new ordinance and portal will eliminate unnecessary delays and paperwork.

LU is committed to providing a world-class research environment to its students. This new PhD ordinance will not only uphold global research standards, but the evaluation process will be highly refined and transparent. We are proud to embrace innovation and adopt a digital mode in thesis evaluation," said LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

What UGC PhD Regulation 2022 says

As per University Grants Commission, the Ph.D. thesis submitted by a research scholar should be evaluated by his/her research supervisor and at least two external examiners, who are experts in the field and not in employment of the Institution. Examiners should be an academician with a good record of scholarly publications in the field. Out of the two external examiners, one must be from out of the state in which the institution is located. Where possible, one of the external examiners may preferably be chosen as a distinguished academician, not below the rank of Professor or equivalent, from outside India.

HT PAGE 3

LU SET TO INCLUDE ONE FOREIGN EXAMINER FOR PHD THESES EVALUATION

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

LUCKNOW: University of Lucknow (LU) is preparing to implement a new PhD ordinance aligned with the National Educational Policy (NEP)-2020 wherein there will be at least one foreign examiner in addition to an examiner from India and research supervisor to evaluate PhD theses that its scholars submit.

The university says the new PhD ordinance will meet the global standards. It claims that the new rule will revolutionise the PhD submission and evaluation process. "The key feature is the inclusion of at least one foreign examiner. The step ensures that the research conducted by PhD students adheres to global standards of excellence," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

Vice chancellor Prof Alok Kumar Rai said, "By incorporating international expertise and utilising technology, we aim to strengthen our position as a leading research institution. The new PhD ordinance represents a significant step forward in our mission to foster research excellence." To expedite the thesis evaluation process, the university will develop a dedicated research portal. The online platform will enable the entire process, from thesis submission to evaluation and viva voce examination, to be completed within a maximum period of six months.

By embracing a paperless approach, the new ordinance not only saves significant time and energy for PhD students, but also enhances transparency in the evaluation process.

Previously, students were required to submit multiple printed copies of their theses, which were sent to examiners through traditional mail services. The evaluation reports were also dispatched via mail, leading to a protracted process that could take up to a year. The implementation of the new ordinance streamlines the entire process, eliminating unnecessary delays and paperwork.

Commenting on the transformative development, Prof Poonam Tandon, dean, academics, LU, said, "The introduction of this new PhD ordinance will not only uphold global research standards but also enhance the efficiency and effectiveness of the evaluation process."

LU's research achievements played a role in securing the prestigious NAAC A++ grade as well as prominent rankings in NIRF, Srivastava said.